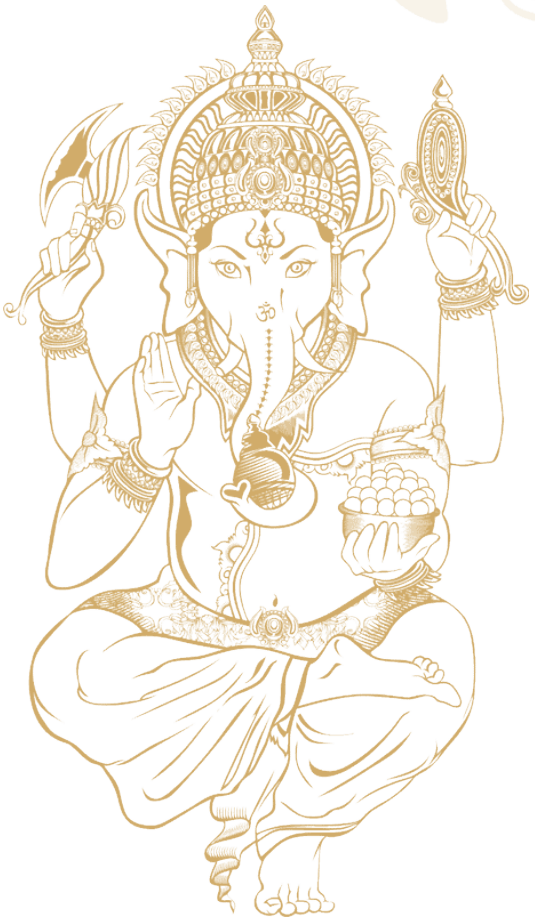

Amit

04 Sep 2004

03:30 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121374103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/09/2004**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	53:27:22 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:03:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:41 घंटे
साम्पातिक काल	01:56:49 घंटे
सूर्योदय	06:07:03 घंटे
सूर्यास्त	18:44:20 घंटे
दिनमान	12:37:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:47:54 सिंह
लग्न के अंश	12:43:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:43:25	309:51:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	---
सूर्य			सिंह	17:47:54	00:58:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	17:30:03	12:27:25	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	21:39:09	00:38:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			सिंह	01:57:01	00:11:47	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	01:30:43	00:12:46	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:52:19	01:03:31	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			मिथु	29:47:44	00:06:04	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	09:25:27	00:00:50	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	09:25:27	00:00:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:36:39	00:02:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	19:19:49	00:01:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:37:42	00:00:08	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	07:25:50	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:11

लग्न-चलित

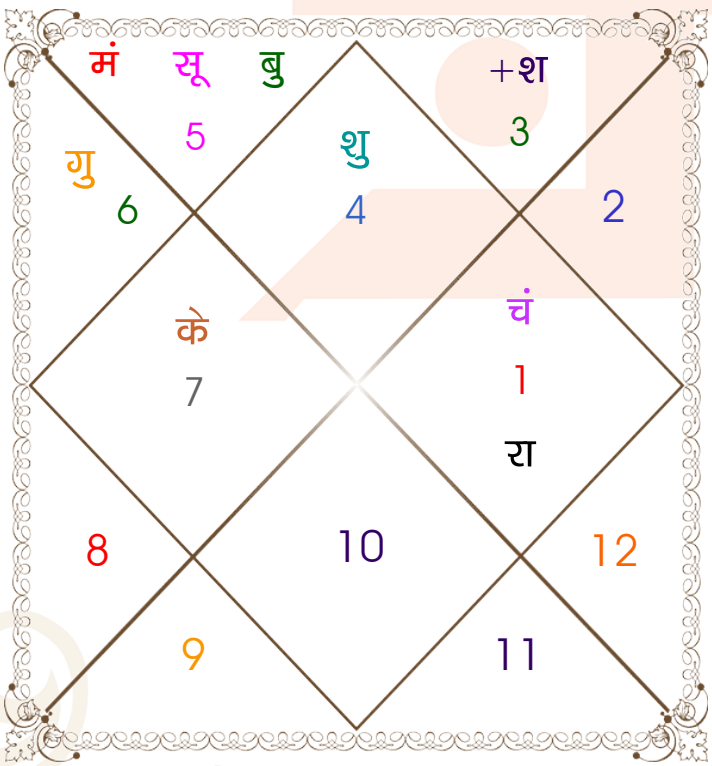

चन्द्र कुंडली

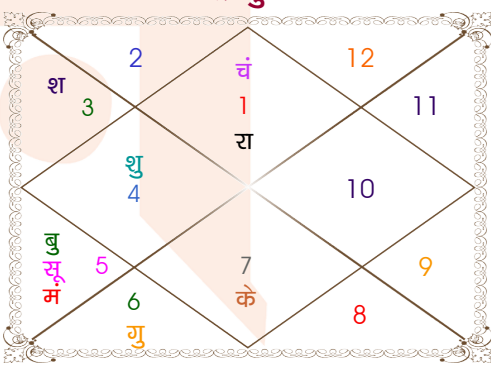

नवमांश कुंडली

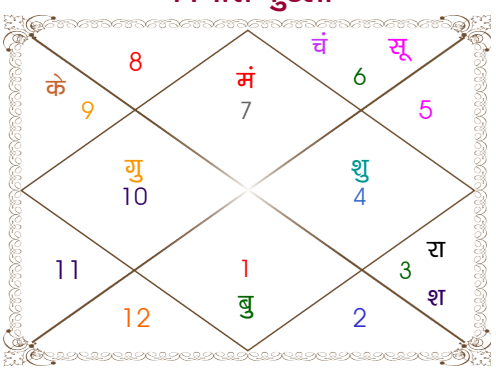

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 8 मास 30 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/09/2004		04/06/2018		04/06/2024		04/06/2034		04/06/2041	
04/06/2018		04/06/2024		04/06/2034		04/06/2041		05/06/2059	
	00/00/0000	सूर्य	22/09/2018	चंद्र	04/04/2025	मंगल	01/11/2034	राहु	15/02/2044
	00/00/0000	चंद्र	24/03/2019	मंगल	03/11/2025	राहु	19/11/2035	गुरु	11/07/2046
	04/09/2004	मंगल	29/07/2019	राहु	05/05/2027	गुरु	25/10/2036	शनि	17/05/2049
मंगल	04/08/2005	राहु	22/06/2020	गुरु	03/09/2028	शनि	04/12/2037	बुध	04/12/2051
राहु	04/08/2008	गुरु	10/04/2021	शनि	05/04/2030	बुध	01/12/2038	केतु	22/12/2052
गुरु	05/04/2011	शनि	23/03/2022	बुध	04/09/2031	केतु	29/04/2039	शुक्र	23/12/2055
शनि	04/06/2014	बुध	28/01/2023	केतु	04/04/2032	शुक्र	28/06/2040	सूर्य	15/11/2056
बुध	04/04/2017	केतु	05/06/2023	शुक्र	04/12/2033	सूर्य	03/11/2040	चंद्र	17/05/2058
केतु	04/06/2018	शुक्र	04/06/2024	सूर्य	04/06/2034	चंद्र	04/06/2041	मंगल	05/06/2059

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2059		05/06/2075		04/06/2094		06/06/2111		05/06/2118	
05/06/2075		04/06/2094		06/06/2111		05/06/2118		00/00/0000	
गुरु	23/07/2061	शनि	07/06/2078	बुध	31/10/2096	केतु	02/11/2111	शुक्र	05/10/2121
शनि	03/02/2064	बुध	15/02/2081	केतु	28/10/2097	शुक्र	01/01/2113	सूर्य	05/10/2122
बुध	11/05/2066	केतु	26/03/2082	शुक्र	29/08/2100	सूर्य	09/05/2113	चंद्र	05/06/2124
केतु	17/04/2067	शुक्र	26/05/2085	सूर्य	06/07/2101	चंद्र	08/12/2113	मंगल	05/09/2124
शुक्र	16/12/2069	सूर्य	08/05/2086	चंद्र	05/12/2102	मंगल	06/05/2114		00/00/0000
सूर्य	04/10/2070	चंद्र	07/12/2087	मंगल	02/12/2103	राहु	25/05/2115		00/00/0000
चंद्र	03/02/2072	मंगल	15/01/2089	राहु	21/06/2106	गुरु	29/04/2116		00/00/0000
मंगल	09/01/2073	राहु	22/11/2091	गुरु	26/09/2108	शनि	08/06/2117		00/00/0000
राहु	05/06/2075	गुरु	04/06/2094	शनि	06/06/2111	बुध	05/06/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।